हे कान्हा तोसे कैसे नैन मिलाऊँ

हे कान्हा तोसे कैसे नैन मिलाऊँ,

माया के बंधन में जकड़ा ,
कैसे भाव जगाऊं ,
हे कान्हा तोसे कैसे नैन मिलाऊँ,

मन चंचल रस विषय को धावे ,
इससे निकल न पाऊँ ,
हे कान्हा तोसे कैसे नैन मिलाऊँ,

मोरे मन मंदिर में बस जा कान्हा ,
तेरा हर पल दर्शन पाऊँ ,
हे कान्हा तोसे कैसे नैन मिलाऊँ,

ऐसी कृपा मोपे कर दो कान्हा,
भव से मैं तर जाऊँ ,
हे कान्हा तोसे कैसे नैन मिलाऊँ,

तेरा सुमिरन करते करते,
हो लीन तुम्ही में जाऊँ,
हे कान्हा तोसे कैसे नैन मिलाऊँ ।

हे कान्हा तोसे कैसे नैन मिलाऊँ ।।

भजन रचना: ज्योति नारायण पाठक
वाराणसी

https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/3388/title/he-kanha-tose-kaise-nain-milau

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |